Maharashtra Education Society's

# Abasaheb Garware College

# (Autonomous)

*(Affiliated to Savitribai Phule Pune University)*

**Three Year B.A. Degree Program in Hindi**

**(Faculty of Humanities)**

**Syllabus under Autonomy**

**S.Y.B.A. (Hindi)**

**Choice Based Credit System Syllabus**

**To be implemented from the Academic Year, 2023-24**

**Admission Eligibility : H.S.C Pass**

**Hindi**

## HINDI STRUCTURE

## UNDER GRADUATE

| Sr. No | Year | Semester | Course Type | Paper Number | Course Code | Title of Paper | No. of Credits | No. of Lectures |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | FYBA | 1 | Theory | **G-1** | UAHN - 111 | वैकल्पिक हिंदी | 3 | 48 |
| | | 2 | Theory | **G-1** | UAHN-121 | वैकल्पिक हिंदी | 3 | 48 |
| 2 | SYBA | 3 | Theory | **S-1**/DSE-1A | UAHN-231 | काव्यशास्त्र (सामान्य) | 3 | 48 |
| | | | Theory | **S-2**/DSE-2A | UAHN-232 | मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य | 3 | 48 |
| | | | Theory | **G-2**/CC-1C | UAHN-233 | आधुनिक काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी | 3 | 48 |
| | | | Theory | SEC-2A | UAHNSEC-234 | अनुवाद स्वरूप एवं व्यवहार | 2 | 32 |
| 3 | SYBA | 4 | Theory | **S1** /DSE1B | UAHN-241 | साहित्य के भेद | 3 | 48 |
| | | | Theory | **S-2**/DSE-2B | UAHN-242 | मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य | 3 | 48 |
| | | | Theory | **G-2**/CC-1D | UAHN-243 | आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य | 3 | 48 |

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | | तथा व्यावहारिक हिंदी | | |
| | | | Theory | SEC-2B | UAHNSEC-244 | माध्यम लेखन | 2 | 32 |
| 4 | TYBA | 5 | Theory | **S-3**/DSE-1C | UAHN-351 | हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल,रीतिकाल का सामान्य परिचय) | 3 | 48 |
| | | | Theory | | | | | |
| | | | Theory | **S-4**/DSE-2C | UAHN-352 | भाषा विज्ञान (सामान्य परिचय) | 3 | 48 |
| | | | Theory | **G-3**/CC-1E | UAHN-353 | कथेतर विधाएँ | 3 | 48 |
| | | | Theory | SEC-2C | UAHNSEC-354 | पटकथा लेखन | 2 | 32 |
| 5 | TYBA | 6 | Theory | **S-3** | UAHN-361 | हिंदी साहित्य का इतिहास आधुनिक काल का सामान्य परिचय | 3 | 48 |
| | | | Theory | **S-4** | UAHN-362 | हिंदी भाषा और उसका विकास | 3 | 48 |
| | | | Theory | **G-3**/CC-2E | UAHN-363 | गजल विधा और पत्राचार | 3 | 48 |
| | | | Theory | SEC-2C | UAHNSEC-364 | साहित्य और फिल्म अंतरण | 2 | 32 |
| 6 | SYBSc | 3 | Theory | AECC-2A | USLGAB-231 | हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य | 2 | 48 |
| | | 4 | Theory | AECC-2B | USLGAB 241 | हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य | 2 | 48 |

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला/बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान

तृतीय एवं चतुर्थ अयन (**Third & Fourth Semester)**

शैक्षिक वर्ष **2023-24** से

| **कोर्स न.** | **तृतीय अयन/ चतुर्थ अयन** | **क्रेडिट** |
|---|---|---|
| द्वितीय वर्ष कला (S.Y.B.A.) | | |
| **CC-IC (G-2)** | आधुनिक काव्य**,** कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी (तृतीय अयन) | 3 |
| **CC-ID (G-2)** | आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य तथा व्यावहारिक हिंदी (चतुर्थ अयन) | 3 |
| | **बी. ए. द्वितीय वर्ष कला-प्रयोजनमूलक हिंदी (वैकल्पिक)** | |
| **CC-IC (G-2)** | प्रयोजनमूलक हिंदी : अनुप्रयोग (तृतीय अयन) | 3 |
| **CC-1D (G-2)** | जनसंचार माध्यम और हिंदी (चतुर्थ अयन) | 3 |
| | **बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (हिंदी विशेष)** | |
| **SEC-2A** | अनुवाद स्वरूप एवं व्यवहार (तृतीय अयन ) | 2 |
| **SEC-2B** | माध्यम लेखन (चतुर्थ अयन) | 2 |
| | **बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (हिंदी विशेष)** | |
| **DSE-1A (S-1)** | काव्यशास्त्र (सामान्य) (तृतीय अयनं) | 3 |
| **DSE-1B (S-1)** | साहित्य के भेद (चतुर्थ अयन) | 3 |
| **DSC-2A (S-2)** | मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य (तृतीय अयन) | 3 |
| **DSC-2B (S-2)** | मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य (चतुर्थ अयन) | 3 |
| | बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान (सामान्य) **General** | |
| **AECC-2A** | हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य (तृतीय अयन) | 2 |
| **AECC-2B** | हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य (चतुर्थ अयन) | 2 |

बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : CC-IC (UAHN-231) (G-2) आधुनिक काव्य, कहानी तथा व्यावहारिक हिंदी

3 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य साहित्य से परिचित कराना
2. छात्रों को कहानी साहित्य से परिचित कराना
3. छात्रों को हिंदी कारक व्यवस्था समझाना
4. शब्द युग्म का अर्थ लिखकर प्रत्यक्ष वाक्य में प्रयोग समझाना
5. संक्षेपण लेखन का प्रत्यक्ष बोध कराना
6. सर्जनात्मकता का विकास कराना

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई— 1 | काव्य साहित्य :<br>1) देश कागज पर बना नक्शा नहीं होता- सर्वेश्वरदयाल सक्सेना<br>2) एकलव्य से संवाद - अनुज लुगुन<br>3) हॉकी खेलती लडकियाँ - कात्यायनी<br>4) कूड़ा बीनते बच्चे- अनामिका।<br>उक्त रचनाओं का,<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन। | 15 तासिकाएँ |
| इकाई II | कहानी साहित्य :<br>1) बयान – कमलेश्वर<br>2) एक इंद्रधनुष:जुबेदा के नाम - सूर्यबाला<br>3) सलाम - ओमप्रकाश वाल्मीकि | 15 तासिकाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| | 4) छावनी में बेघर - अल्पना मिश्र<br>उक्त रचनाओं का<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन। | |
| इकाई -III | साहित्येतर पाठ्यक्रम :<br>1) हिंदी कारक व्यवस्था ।<br>2) शब्द युग्म (50) अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग<br>3) हिंदी की उपसर्ग और प्रत्यय व्यवस्था | 15 तासिकाएँ |

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'हिंदी साहित्य और भाषा' - संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशक, नई दिल्ली।

2. हिंदी व्याकरण - पं. कामताप्रसाद गुरु, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली

3. प्रयोजनमूलक हिंदी- डॉ. माधव सोनटक्के, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

4. प्रयोजनमूलक हिंदी की नयी भूमिका - कैलाशनाथ पांडेय, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

***

# बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : : CC-1D ( UAHN-241) (G-2) आधुनिक हिंदी व्यंग्य साहित्य तथा व्यावहारिक हिंदी

3 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1. छात्रों को व्यंग्य पाठ से परिचित कराना
2. छात्रों को कहानी व्यंग्य पाठ का बोध कराना
3. साक्षात्कार कला से अवगत कराना
4. भाषा का मोबाइल तंत्र समझाना
5. पल्लवन कला से अवगत करना

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई— 1 | काव्य पाठ (व्यंग्य)<br>1) वर्णाक्षर – शैलेश मटीयानी<br>2) बात बतंगड - काका हाथरसी<br>3) विदवान लोग - उदय प्रकाश<br>4) कितनी रोटी - अशोक चक्रधर<br>5) देश के लिए नेता- शैल चतुर्वेदी<br>उक्त रचनाओं का,<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन | 15 तासिकाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| इकाई II | कहानी पाठ (व्यंग्य)<br>1) प्रेम की बिरादरी - हरिशंकर परसाई<br>2) राम सजीवन की प्रेम कथा – उदय प्रकाश<br>3) सावधान! हम इमानदार है – लतिफ घोंघी<br>4) मुख्यमंत्री का डंडा - सुदर्शन मजीठिया<br>5) झोले- सुभाष काबरा<br>उक्त रचनाओं का,<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन। | 15 तासिकाएँ |
| इकाई -III | साहित्येतर पाठ्यक्रम:<br>1) साक्षात्कार<br>2) भाषा से संबंधित ॲप्स<br>3) पल्लवन<br>4) पत्रलेखन (कार्यालयीन पत्राचार) | 15 तासिकाएँ |

संदर्भ ग्रंथ :

1. 'हिंदी साहित्य और भाषा - संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशक, नई दिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप- डॉ. राजेंद्र मिश्र, राकेश शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. प्रयोजनमूलक हिंदी अधुनातन आयाम -डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर
4. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी व्यंग्य का मूल्यांकन -डॉ. सुरेश माहेश्वरी, विकास प्रकाशन, कानपुर

# बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : : SEC-2A (UAHNSEC-234) अनुवाद स्वरूप एवं व्यवहार

2 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1. अनुवाद कौशल से छात्रों को अवगत कराना
2. अनुवाद का स्वरूप समझाना
3. अनुवाद क्षेत्र से परिचय कराना
4. हिंदी से मराठी में प्रत्यक्ष अनुवाद कार्य कराना
5. अंग्रेजी से हिंदी, मराठी में अनुवाद कौशल का विकास कराना

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई— 1 | 1.अनुवाद परिभाषा एवं स्वरूप<br>2.अनुवाद के प्रकार<br>3.अनुवाद प्रक्रिया के सोपान<br>4.अनुवादक के गुण<br>5. अनुवाद का महत्व | 15 तासिकाएँ |
| इकाई II | 1. अनुवाद प्रत्यक्ष व्यवहार<br>2. मराठी वाक्यों का हिंदी अनुवाद<br>3. अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी अनुवाद<br>4. मराठी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद<br>5. अंग्रेजी परिच्छेद का हिंदी अनुवाद | 15 तासिकाएँ |

संदर्भ ग्रंथ :

1. अनुवाद की रूपरेखा - डॉ. सुरेश कुमार

2. अनुवाद कला- भोलानाथ तिवारी

3. अनुवाद की प्रक्रिया तकनीक और समस्याएँ - डॉ. श्रीनारायण समीर

4.अनुवाद और अनुप्रयोग - डॉ. दिनेश चमोला

5. अनुवाद के भाषिक पक्ष - विभा गुप्ता

6. प्रयोजनमूलक हिंदी - प्रो. माधव सोनटक्के

***

# बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : पाठ्यचर्या: SEC-2B (UAHNSEC-244) माध्यम लेखन

2 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1 छात्रों को माध्यम लेखन से परिचत कराना

2. सृजनात्मक लेखन कौशल विकसित कराना

3. माध्यम लेखन से अवगत कराना

4. श्रव्य-दृश्य माध्यमों की भाषा से अवगत कराना

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई— 1 | माध्यम लेखन – सैद्धांतिक पक्ष<br>1. माध्यम का स्वरूप<br>2. अवधारणा<br>3. महत्व एवं उददेश्य<br>4. माध्यम एवं विधा परिचय : i) मुद्रित माध्यम ii) श्रव्य माध्यम iii) दृश्य-श्रव्य माध्यम iv) नव-माध्यम: कंटेंट लेखन, ब्लॉग लेखन | 15 तासिकाएँ |
| इकाई II | माध्यम लेखन- फीचर लेखन<br>1. फीचर की परिभाषा एवं अवधारणा<br>2. सामग्री संकलन स्त्रोत<br>3. फीचर के तत्व- विषयवस्तु, प्रस्तावना, शीर्षक, विवेचन, छायांकन<br>4. फीचर लेखन के गुण : i) विश्वसनीयता ii) सरसता एवं सहजता | 15 तासिकाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| | iii) रोचकता एवं संक्षिप्तता iv) प्रासंगिकता v) प्रचलित शब्दावली का प्रयोग<br>5. फीचर और अन्य विधा में भेद - समाचार, आलेख।<br>6. विज्ञापण एवं समाचार लेखन - अवधारणा एवं स्वरूप। | |

संदर्भ ग्रंथ :


1. भाषा प्रौद्योगिकी एवं भाषा प्रबंधन -सूर्यप्रकाश दीक्षित
2. प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और अनुवाद -डॉ. माधव सोनटक्के
3.संप्रेषण और रेडियो शिल्प -विश्वनाथ पांडे
4. प्रयोजनमूलक हिंदी आधुनातन आयाम -डॉ. अंबादास देशमुख
5. वाणी संचार रेडियो प्रसारण- डॉ. सुनिल केशव देवधर
6. फीचर लेखन: स्वरूप और शिल्प -डॉ. मोहन प्रभाकर
7. फीचर लेखन - पी. के. आर्य
8. रूपक लेखन - ब्रजभूषण सिंह
9. फीचर लेखन -विजय कुलश्रेष्ठ
10. मीडिया लेखन -मोहन सुमित
11. रेडियो वार्ता शिल्प- सिद्धनाथ कुमार
12. टेलीविजन लेखन सिद्धांत और प्रयोग - कुमुद नागर
13. हिंदी फीचर : स्वरूप और विकास -डॉ. सुनील डहाले

# बी. ए. द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : DSC – IA (S-1) (UAHN-232) काव्यशास्त्र (सामान्य)

3 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1. भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय देना.
2. काव्य परिभाषा, तत्व आदि से अवगत कराना.
3. काव्य के तत्व, शब्द- शक्तियों का परिचय देना.
4. रस का स्वरूप समझाना.
5. भारतीय काव्यशास्त्र में रुचि पैदा करना तथा आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित कराना.

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई— 1 | काव्य परिभाषा (संस्कृत, हिंदी, अंग्रेजी)<br>काव्य हेतु- प्रतिभा, व्युत्पत्ति, अभ्यास, समाधि<br>काव्य प्रयोजन (भारतीय)<br>काव्य गुण, काव्य दोष | 15 तासिकाएँ |
| इकाई II | काव्य के तत्व- भाव तत्व, बुद्धि तत्व, कल्पना तत्व, शैली तत्व<br>शब्द-शक्ति- परिभाषा, स्वरूप, शब्द शक्तियों का सोदाहरण परिचय - अभिधा लक्षणा, व्यंजना. | 15 तासिकाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| इकाई - III | रस- परिभाषा, स्वरूप<br>रस के अंग- स्थायी भाव, विभाव, अनुभाव, संचारी भाव<br>रसों का सोदाहरण परिचय - श्रृंगार, वीर, हास्य, करुण.<br>रस निष्पत्ती और साधारणीकरण. | 15 तासिकाएँ |

संदर्भ ग्रंथ :


1.भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. गणपतीचंद्र गुप्त

2. काव्यशास्त्र -भगीरथ मिश्र

3. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह

4. भारतीय काव्यशास्त्र - विश्वंभरनाथ उपाध्याय

5. भारतीय साहित्यशास्त्र –आ.बलदेव उपाध्याय

6. शास्त्रीय समीक्षा के सिद्धांत (खंड 1 और 2 ) - डॉ. गोविंद त्रिगुणायत

7. काव्यशास्त्र की भूमिका - डॉ. नगेंद्र

# बी. ए.द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : DSC-1B (S-1) (UAHN-242) साहित्य के भेद

3 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1. छात्रों को साहित्य के भेद से अवगत कराना.
2. छात्रों को पदय भेद से अवगत कराना.
3. महाकाव्य, खंडकाव्य और मुक्तक काव्य का परिचय कराना.
4. नाटक का स्वरूप समझाना.
5. छात्रों में नाट्य अभिनय की रुचि विकसित करना.

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई 1 | काव्य के विविध भेद.<br>पद्य के भेद : प्रबंधकाव्य और मुक्तकाव्य का स्वरूप.<br>प्रबंध काव्य के भेद : महाकाव्य और खंडकाव्य, मुक्तक काव्य का परिचय. | 15 तासिकाएँ |
| इकाई II | गद्य के भेद : कहानी,उपन्यास,निबंध का तात्विक परिचय<br>जीवनी,आत्मकथा और संस्मरण का सामान्य परिचय | 15 तासिकाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| इकाई - III | दृश्य काव्य : नाटक की परिभाषा और तत्व.<br>एकांकी परिभाषा और तत्व.<br>नाटक के भेद : रेडिओ, मंचीय नाटक.<br>नुक्कड नाटक. | 15 तासिकाएँ |

संदर्भ ग्रंथ :


1. काव्यशास्त्र - भगीरथ मिश्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र - डॉ. योगेंद्रप्रताप सिंह
3. नाट्यलोचन - डॉ.माधव सोनटक्के
4. भारतीय साहित्यशास्त्र - आ. बलदेव उपाध्याय
5. रंगदर्शन - नेमिचंद्र जैन
6. हिंदी नाटक : उदभव और विकास- दशरथ ओझा
7. समीक्षा शास्त्र - डॉ. दशरथ ओझा
8. हिंदी आलोचना के आधार स्तंभ - डॉ. रामेश्वरलाल खंडेलवाल
9. आलोचनाः प्रकृति और परिवेश - डॉ. तारकानाथ बाली
10. इतिहास और आलोचना- डॉ. नामवर सिंह
11. आधुनिक आलोचना के बीज शब्द - बच्चन सिंह
12. हिंदी नाट्य विमर्श - डॉ. सदानंद भोसले


***

# बी.ए.द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या : DSC - 2A (S-2) (UAHN-233) मध्ययुगीन काव्य तथा उपन्यास साहित्य

3 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. कबीर के साहित्य का परिचय देना.
2. मीराबाई के काव्य से अवगत कराना.
3. भारतीय उपन्यास की अवधारणा समझाना.
4. उपन्यास कृति की मूल्यांकन कला विकसित करना.
5. साहित्यिक कृतियों में प्रस्तुत जीवनमूल्यों को आत्मविस्तृत करना.

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई 1 | कबीर के 20 दोहे<br><br>**i) गुरुदेव को अंग :**<br>1. सतगुर की महिमा अनँत, अनँत किया उपगार ।<br>लोचन अनंत उघाडिया, अनँत दिखावणहार ।।<br>2. पिछै लागा जाइ था, लोक वेद के साथी ।<br>आगै थै सतगुर मिल्या, दीपक दिया हाथी ।।<br>3. जाका गुर भी अंधला, चेला खरा निरंध।<br>अंधा अंधा ठेलिया, दून्यूँ कूप पड़ंत ।।<br>4. माया दीपक नर पतंग, भ्रमि भ्रमि इवै पड़ंत ।<br>कहै कबीर गुर ग्यान थै, एक आध उबरंत ।।<br>5. सतगुर हम सूँ रीझि करि एक कहया प्रसंग।<br>बरस्या बादल प्रेम का,भीजि गया सब अंग ।। | 15 तासिकाएँ |

**ii) विरह को अंग**

1. बहुत दिनन की जोवती, बाट तुम्हारी राम।
   जिव तरसै तुझ मिलन कूँ मनि नाहीं विश्राम ।।
2. यहु तन जालौं मसि करौं, लिखों राम का नाउँ।
   लेखणि करूँ करंक की,लिखि लिखि राम पठाउँ ।।
3. अंषड़ियाँ झाई पडी, पंथ निहारि निहारि।
   जीभड़ियाँ छाला पड़या, राम पुकारि पुकारि।।
4. परबति, परबति मैं फिरया, नैन गँवाये रोइ |
   सो बूटी पाऊँ नहीं, जातैं जीवनि होइ ||
5. सुखिया सब संसार है,खायै अरू सोवै |
   दुखिया दास कबीर है, जागे अरु रोवै।।

**(iv) निंद्या को अंग**

1. निंदक नेडा राखिये, आँगणि कुटी बँधाइ |
   बिन साबण पाँणी बिना, निरमल करे सुभाइ ।।
2. कबीर आप ठगाइये, और न ठगिये कोइ।
   आप ठग्याँ सुख ऊपजै, और ठग्या दुख होई ।।

**v) कथनी बिना करनी को अंग**

1.पोथी पढि पढ़ि जग मुवा, पंडित भया न कोई।
एकै अषिर पीव का, पढ़ें सु पंडित होइ ।।

**vi) भेष को अंग**

1. तन को जोगी सब करें, मन को बिरला कोई।
   सब सिधि सहजै पाइए, जे मन जोगी होइ ।।
2. माला फेरत जुग भया, पाय न मन का फेर।
   कर का मनका छाँड़ि दे, मन का मनका फेर ।।

अध्यनार्थ विषय :

- कबीर का व्यक्तित्व और कृतित्व
- कबीर की प्रगतिशीलता
- कबीर का समाजसुधार

| | | |
|---|---|---|
| | • भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन | |
| इकाई II | मीराबाई के 10 पद (आरंभ के 10 पद)<br>1. मण थे परस हरि रे चरण ।।<br>2. तनक हरि चितवां म्हारी ओर।।<br>3. म्हारो गोकुल रो ब्रजवासी।।<br>4. हे मा बड़ी बड़ी अंखियान वारो, सांवरो मो तन हेरत हंसिके ।।<br>5. हेरी मा नंद को गुमानी म्हारे मनडे बस्यो।।<br>6. थारो रूप देख्यां अटकी ।।<br>7. निपट बंकट छब अंटके ।।<br>8. म्हा मोहणो रूप लुभाणी ।।<br>9. संवरा नंद नंदन, दीठ पड्यां माई ।।<br>10. आली री म्हारे णेणा बाण पडी ।।<br>**अध्यनार्थ विषय :**<br>• मीराबाई का व्यक्तित्व एवं कृतित्व.<br>• मीराबाई की प्रगतिशीलता.<br>• भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन. | 15 तासिकाएँ |
| इकाई - III | उपन्यास स्वरूप, तत्व.<br>उपन्यास कृति : एक पत्नी के नोट्स - ममता कालिया<br>लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन. | 15 तासिकाएँ |

**संदर्भ ग्रंथ :**


1. कबीर ग्रंथावली - संपा. श्यामसुंदरदास, नागरीप्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. एक पत्नी के नोट्स -ममता कालिया, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर - हजारीप्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मीराबाई की पदावली - संपा. परशुराम चतुर्वेदी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. साहित्य और मानवीय संवदेना - डॉ. सदानंद भोसले, विकास प्रकाशन, कानपुर


***

# बी.ए.द्वितीय वर्ष कला (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या : DSC -2B (S-2) (UAHN-243) मध्ययुगीन काव्य तथा नाटक साहित्य

3 कर्माक (Credit)

उद्देश्य :

1. रहीम के काव्य का बोध कराना.
2. बिहारी की काव्य अभिव्यंजना समझाना.
3. हिंदी नाटक और रंगमंच से अवगत कराना.
4. छात्रों में अभिनय गुण विकसित कराना.
5. नाट्यालोचना से अवगत करना.

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई— 1 | रहीम के 16 दोहे<br>**i) संगति का प्रभाव**<br>1. जो रहीम उत्तम प्रकृति, का करी सकत कुसंग ।<br>चंदन विष व्यापत नहीं, लपटे रहत भुजंग ।।<br>2. मूढ़ मंडली में सुजन, ठहरत नहीं बिसेषि ।<br>स्याम कंचन में सेत ज्यों, दूरि कीजिअत देखि।।<br>3. यह रहीम निज संग लै, जनमत जगत न कोय।<br>बैर, प्रीति, अभ्यास, जस होत होत ही होय।।<br>4.रहिमन उजली प्रकृत को, नहीं नीच को संग<br>करिया बासन कर गहै कालिख लागत अंग ।।<br>**ii) दीनता और बड़प्पन**<br>1. जे गरीब पर हित करै, ते रहीम बड लोग ।<br>कहा सुदामा बापुरो, कृष्ण मिताई जोग ।।<br>2. थोडो किए बडेन की, बड़ी बड़ाई होय ।<br>ज्यों रहीम हनुमंत को, गिरिधर कहत न कोय।। | 15 तासिकाएँ |

3.दीन सबन को लखत है, दीनहिं लखे न कोय।
जो रहीम दीनहि लखै दीनबंधु सम होय॥
4. रहिमन देखि बड़ेन को, लघु न दीजिये डारि।
जहाँ काम आवें सुई, कहा करे तरवारि॥

**(III) नीति**

1. खैर, खून,खाँसी, खुसी, बैर, प्रीति, मद-पान |
रहिमन दाबे न दबै, जानत सकल जहान॥
2. रूठें सुजन मनाइए, जो रुठे सो बार।
रहिमन फिर फिर पोहिए, टूटे मुक्ताहार॥
3. दानों रहिमन एक से, जौ लौ बेलत नाहि।
जान परत हैं काक पिक, ऋतु बसंत के माहिं ||
4. बिगरी बात बनै नहीं, लाख करो किन कोय।
रहिमन फोट दूध को, मथे न माखन होय॥

**IV) संत महिमा**

1. तरुवर फल नहिं खात हैं, सरवर पियहिं न पान।
कहि रहीम,पर-काज हित, संपति संचहि सुजान॥
2. मथत-मथत माखन, दही-मही बिलगाय।
रहिमन सोई मीत है, भीर परे ठहराय॥
3. रहिमन वे नर मर चुके, जे कहुँ माँगन जाहिं।
उनते पहले वे मरे, मुख निकसत नाहि॥
4 .दुरदिन परे रहीम कहि, भूलत सब पहचानि।
सोच नहीं वित-हानि को, जो न होय हित हानि॥

अध्ययनार्थ विषय

- रहीम का व्यक्तित्व कृतित्व
- रहीम की भाषा
- रहीम के काव्य में नीतितत्व
- रहीम के काव्य की प्रासंगिकता
- भावपक्ष, शिल्पपक्ष का अध्ययन.

| | | |
|---|---|---|
| इकाई II | बिहारी के 15 दोहे<br>i) **नायक – नायिका वर्णन**<br>1. मेरी भव बाधा हरौ राधानागरि सोई \|<br>जा तन की झाई परै स्याम हरित दुति होइ ॥<br>2. कहत नटत रिझत खिजत मिलत लजियात \|<br>भरे भौन में करत हैं नैननि में सब बात ॥<br>3. नभ लाली चाली निसा चटकाली धुनि कीन \|<br>रति पाली आळी अनत आये बनमाली न ॥<br>4. सघन कुंज घन-घन तिमिर अधिक अंधेरी राति \|<br>तऊन दूरिहै स्याम यह दीप सिखा सी जाति ॥<br>5. सोहत ओढे पीत पट स्याम सलौने गात \|<br>मनौ नीलमनि सैल पर आतप परयौ प्रभात ॥<br><br>ii ) **संयोग-श्रृंगार वर्णन**<br>1. प्रीतम दृग मिहिचत प्रिया पानि परस सुख पाय \|<br>जानि पिछानि अजान लौ नैकु न होति जनाय ॥<br>2. लटकि लटकि लटकन चलत डटत मुकुट की छाँह \|<br>चटक भरयौ नट मिल गयौ अटक भटक मन माँह ॥<br>3. चिरजीवौ जोरी जुरै क्यों न सनेह गंभीर ।<br>को घटि ये वृषभानजा वे हलधर के वीर ॥<br>4. मन न धरति मेरौ कहयौ तू आपने सयान ।<br>अहे परनि परि प्रेम की परहथ पार न प्रान ॥<br>5. लाल तिहारे विरह की अगनि अनूप अपार \|<br>सरसै बरसै निरहूँ झरहूँ मिटे न झार ॥<br>iii) **सिख नख वर्णन**<br>1. अंग अंग नग जगमगत दीप सिखा सी देह ।<br>दिया बढ़ायेहू रहे बढौ उजेरो गेह ॥<br>2. पहिर न भूखन कनक के कहि आवतु इहि हेत ।<br>दर्पन के से मोरचा देह दिखाई देत ॥<br>3.छकि रसाल सौरभ सने मधुर माधुरी गंध \|<br>ठौर ठौर झौरत झँपत झौर झौर मधु अंध ॥<br>4. पावस घन अँधियारि में रहयौ भेद नहिं आन ।<br>राति द्यौस जान्यौ परै लखि चकइ चकवान ॥<br>5.दिस दिस कुसमित देखिये उपबन बिपिन समाज ।<br>मनहु बियोगिनि कौ कियो सर पंजर रितुराज ॥ | 15 तासिकाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| | अध्ययनार्थ विषय :<br>• बिहारी का व्यक्तित्व एवं कृतित्व<br>• बिहारी की प्रासंगिकता<br>• बिहारी का श्रृंगार वर्णन<br>• बिहारी की भाषा<br>• भावपक्ष, शिल्प पक्ष का अध्ययन | |
| इकाई - III | नाटक : स्वरूप तत्व.<br>नाटक कृति: महाभोज - मन्नू भंडारी<br>लेखक का व्यक्तित्व एवं कृतित्व<br>कथ्य एवं शिल्पगत अध्ययन, रंगमंचीय अध्ययन, तात्विक मूल्यांकन. | 15 तासिकाएँ |

संदर्भ ग्रंथ :

1. बिहारी सतसई- संपा. लल्लू जी लाल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिंदी काव्य सौरभ -संपा. कन्हैयालाल सहगल, एच. एच. एण्ड कंपनी, नई दिल्ली
3. रंगभाषा - नेमिचंद्र जैन
4. नाटक और रंगमंच - संपा. गिरीश रस्तोगी
5. महाभोज - मन्नु भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नाटयालोचन - डॉ. माधव सोनटक्के
7. हिंदी नाटय विमर्श- संपा. सदानंद भोसले

बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

तृतीय अयन (Third Semester)

पाठ्यचर्या AECC-2A (USHN-231) हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य

2 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य साहित्य से अवगत कराना.
2. छात्रों को कहानी साहित्य से अवगत कराना.
3. छात्रों में काव्य लेखन कौशल विकसित करना.
4. छात्रों में कहानी लेखन कौशल विकसित करना.
5. छात्रों में साहित्यालोचन दृष्टि विकसित करना.

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई 1 | **काव्य साहित्य**<br>1) अकाल और उसके बाद - नागार्जुन<br>2) कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए - दुष्यंत कुमार<br>3) पालतु कुत्ता – मालती शर्मा<br>4) बीत गई सो बात गई – हरिवंशराय बच्चन<br>5) तो जिंदा हो तुम – जावेद अख्तर<br>उक्त रचनाओं का,<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन | 15 तासिकाएँ |
| इकाई II | **कहानी साहित्य :**<br>1) बहु जुठाई – रमणीका गुप्ता<br>2) संघर्ष – सुशीला टाकभौरे<br>3) कप्तान - शिवरानी देवी<br>4) बदबू - सूरजपाल चौहान<br>उक्त रचनाओं का<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन। | 15 तासिकाएँ |

संदर्भ ग्रंथ-

1. साहित्य संगम - संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. सूरजपाल चौहान कृत 'नया ब्राह्मण': एक अनुशीलन -डॉ. प्रदीप सरवदे, विनय प्रकाशन कानपुर

3. बहु जुठाई – रमणीका गुप्ता  शिल्पायन प्रकाशन, दिल्ली.

4. ) संघर्ष – सुशीला टाकभौरे राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

बी. एस्सी. द्वितीय वर्ष विज्ञान (शैक्षणिक वर्ष 2023 – 2024 से)

चतुर्थ अयन (Fourth Semester)

पाठ्यचर्या AECC-2B (USHN-241) हिंदी काव्य तथा कहानी साहित्य

2 कर्माक (Credit)

---

उद्देश्य :

1. छात्रों को काव्य साहित्य से अवगत कराना.
2. छात्रों को कहानी साहित्य से अवगत कराना.
3. छात्रों में काव्य लेखन कौशल विकसित करना.
4. छात्रों में कहानी लेखन कौशल विकसित करना.
5. छात्रों में साहित्यालोचन दृष्टि विकसित करना.

---

| इकाई | पाठ्यविषय | तासिकाएँ |
|---|---|---|
| इकाई 1 | **काव्य साहित्य**<br>1) हो गयी है पीर पर्वत सी – दुष्यंत कुमार<br>2) मधुशाला - हरिवंशराय बच्चन<br>3) रोटी और संसद -धूमिल<br>4) भूख - सर्वेश्वरदयाल सक्सेना<br>उक्त रचनाओं का,कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन | 15 तासिकाएँ |
| इकाई II | **कहानी साहित्य** :<br>1) खेल - जैनेंद्र कुमार<br>2) बेटा - अमृता प्रीतम<br>3) शर्त - रतनकुमार सांभरिया<br>4) नेलकटर – उदय प्रकाश<br>5) दोपहर का भोजन – अमरकांत | 15 तासिकाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| | उक्त रचनाओं का<br>कथ्यगत एवं शिल्पगत अध्ययन। | |

संदर्भ ग्रंथ:

1. 'साहित्य संगम'- संपा. हिंदी अध्ययन मंडल, सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय, पुणे, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

2. सायें में धूप- दुष्यंत कुमार राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली-110002